VAC/सप्तम सेमेस्टर जुलाई-दिसंबर **2025** से प्रभावी

Value Addition Course

BHL-713 P

बी.ए.

परियोजना कार्य

क्रेडिट-6

पूर्णांक- **100**

अधिगम परिणाम -

- सैद्धांतिक ज्ञान का व्यहवारिक अनुप्रयोग कर सकेंगे.
- भाषा,साहित्य और समाज के अंतर संबंधो को पड़ताल कर सकेंगे.
- शैक्षणिक प्रसार गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा.

नोट- परियोजना कार्य छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने से सम्बन्धित होगा. परियोजना कार्य के प्रश्न पत्र में में छात्र/छात्राएं विभागीय शिक्षक के मार्गदर्शन में क्षेत्र अध्ययन/रचनात्मक लेखन/शैक्षणिक प्रसार/अन्य विषय सम्बन्धित आदि गतिविधियों के माध्यम से उक्त परियोजना कार्य सम्पन्न करेंगे.

परियोजना कार्य का मूल्यांकन विभागीय स्तर पर किया जाएगा.

Discipline Specific Course

बी.ए.

BHL C-811 A

राष्ट्रीय काव्य धारा

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- साहित्य की राष्ट्रीय काव्यधारा व कवियों का परिचय पा सकेंगे।
- राष्ट्रीय काव्यधारा साहित्य के औचित्य से परिचित होंगे.
- राष्ट्रीय साहित्य का अनुशीलन कर सकेंगे.
- संकलित रचनाओं की समीक्षा करेंगे.
- राष्ट्रीयता (देशभक्ति अथवा राष्ट्रभक्ति) के साथ ही जन-मानस की जागरूकता के विकास में तत्कालीन साहित्यकी भूमिका जान सकेंगे।

इकाई- 1 (व्याख्या)

- मैथिलीशरण गुप्त – आर्य और मातृभूमि
- माखनलाल चतुर्वेदी – पुष्प की अभिलाषा,जवानी

इकाई- 2 (व्याख्या)

- सोहन लाल द्विवेदी -मातृभूमि तुम्हें नमन (चल पड़े जिधर दो डग -पग में)
- बाल कृष्ण शर्मा नवीन -कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, कोटि-कोटि कंठों से निकलीआज यही स्वर धारा है

इकाई- 3 (व्याख्या)

- रामधारी सिंह दिनकर -शहीद स्तवन और हिमालय (कलम आज उनकी जय बोल)
- श्याम नारायण पाण्डेय-चेतक की वीरता ,राणा प्रताप की तलवार
- द्वारिका प्रसाद महेश्वरी-उठो धरा के अमर सपूतों

इकाई- 4

फ़िल्मी राष्ट्रीय गीत –

- कवि प्रदीप- ऐ मेरे वतन के लोगों,आज हिमालय के छोटी से फिर हमने ललकारा है.(किस्मत-1943)
- साहिर लुधियानवी-ये देश है वीर जवानो का (नया दौर-1957)
- प्रदीप, एम्.डी.सी. रामचंद्रा - कहनी है एक बात (तलाक़-1958)
- नीरज- ऐ मेरे प्यारे वतन (काबुलीवाला-1961)
- राजिंदर कृष्ण- जहाँ डाल डाल पर (सिकंदर-ए-आज़म, 1965)
- गुलशन बावरा- मेरे देश की धरती सोना उगले (उपकार -1976)
- प्रसून जोशी-देश रंगीला (फ़ना 2006)

इकाई- 5

- कवि परिचय, कविता: व्याख्या एवं काव्य वैशिष्ट्य
- राष्ट्रीय फ़िल्मी गीत: गीतकारों का परिचय, गीतों का वैशिष्ट्य

संदर्भ ग्रंथ-

1. मैथलीशरण गुप्त ग्रंथावली, डॉ कृष्ण दत्त पालीवाल
2. डॉ पुनीत बिसारिया : भारतीय सिनेमा का सफरनामा
3. डॉ.शिवकुमार मिश्र -राष्ट्रीय -सांस्कृतिक काव्य सुधा
4. कृष्णदत्त पालीवाल - नवजागरण देसी स्वच्छंदतावाद और नई काव्यधारा
5. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र - वाणी वितान
6. आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीय भावना, डॉ सुधाकर शंकर कलवडे

DSE-10 (B) अष्टम सेमेस्टर जनवरी-जून 2026 से प्रभावी

Discipline Specific Elective Course

बी.ए.

BHL E-811 (B)

शोध प्रविधि

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- शोध के औचित्य को समझ सकेंगे.
- तुलनात्मक शोध प्रविधि का अध्ययन करेंगे.
- समाज में शोध की उपयोगिता से परिचित होंगे।
- शोध के आवश्यक चरणों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- साहित्यिक अनुसंधान के महत्व को समझ सकेंगे।
- हिंदी में शोध की उपलब्धियों एवं सीमाओं से परिचित होंगे।

इकाई- 1

- शोध का स्वरूप, शोध का अर्थ, शोध के विभिन्न पर्याय, अनुसंधान और आलोचना , पाठानुसंधान की परिभाषा
- शोध की प्रक्रिया, विषय-निर्वाचन, शोधकर्ता के आवश्यक गुण, शोध की प्रारम्भिक पृष्ठभूमि

इकाई-2

- अनुसंधान के मूल तत्त्व, अनुसंधान के प्रकार, सामग्री संकलन के स्रोत, सामग्री संकलन की विभिन्न प्रणालियाँ, सामग्री विश्लेषण एवं संयोजन
- पत्राचार प्रश्नोत्तरी, साक्षात्कार, शोध –पत्र, हस्तलेखों का संकलन एवं उपयोग, उपजीव्य एवं उपस्कारक ग्रन्थों का पारायण

इकाई-3

- शोध कार्य का विभाजन, अध्याय-उप शीर्षक और अनुपात, रूपरेखा, विषय सूची, प्रस्तावना, भूमिका लेखन,अनुक्रमणिका
- पाद-टिप्पण,सन्दर्भ उल्लेख, सहायक ग्रन्थों की सूची , परिशिष्ट लेखन,पांडुलिपि अवलोकन एवं सम्पादन,अशुद्धियों का निर्मूल और शोध प्रबन्ध का प्रस्तुतीकरण,संक्षेपिका

इकाई-4

- शोध: प्रविधि और दृष्टि: साहित्यिक अनुसंधान में ऐतिहासिक,अंतर अनुशासनात्मक तथ्यों और पद्धतियों का उपयोग, साहित्यिक अनुसंधान में समाजशास्त्रीय प्रविधि का उपयोग, अंतर विचारपरक अनुसंधान प्रविधि, तुलनात्मक अनुसंधान प्रविधि,मनोविश्लेषणात्मक प्रविधि,भाषा वैज्ञानिक अनुसंधान.

इकाई-5

- शोध भाषा का स्वरूप : शोध भाषा, समीक्षा भाषा, सर्जनात्मक भाषा में साम्य-वैषम्य,शोध चिन्ह आलेख तथा अंक आदि का उपयोग,अनुच्छेदीकरण,विरामांकन आदि
- इन्टरनेट,वेबसाइट, कंप्यूटर का अनुसंधान में प्रयोग, इन्टरनेट का अनुसंधान में प्रयोग

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे. प्रत्येक इकाई से शत-प्रतिशत विकल्प के साथ प्रश्न पूछा जाएगा. प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का होगा

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. शोध प्रविधि- डॉ. विनय मोहन शर्मा
2. अनुसंधान का स्वरूप- सं. सावित्री सिन्हा
3. अनुसंधान की प्रक्रिया- डॉ. ज्ञान प्रकाश गुप्ता
4. हिन्दी शोध तन्त्र की रूपरेखा- डॉ. मनमोहन सहगल
5. शोध प्रविधि और प्रक्रिया डॉ. चन्द्रभान रावत एवं डॉ. भव कुमारी
6. अनुसंधान के मूल तत्त्व- डॉ. उदयभानु सिंह
7. अनुसंधान की प्रक्रिया- डॉ. सावित्री सिन्हा एवं डॉ. विजयेन्द्र स्नातक
8. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया- डॉ. राजेन्द्र मिश्र
9. नवीन शोध विज्ञान- डॉ. तिलक सिंह
10. शोध: स्वरूप एवं मानक कार्यविधि- डॉ. बैजनाथ सिंहल
11. शोध प्रविधि- मैथली प्रसाद भारद्वाज
12. शोध प्रविधि- डॉ. हरिश्चन्द्र वर्मा

Discipline Specific Course

BHL C-812

बी.ए.

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- भाषाविज्ञान का चिंतन एवं अनुशीलन कर पाएंगे.
- भाषा के ऐतिहासिक विकास क्रम को समझ पाएंगे.
- भाषा अध्ययन के तुलनात्मक पद्धति का ज्ञान होगा.
- भाषा विज्ञान के औचित्य को समझ पाएंगे.
- शैली विज्ञान और कोश विज्ञान की विविध शाखाओं का बोध हो सकेगा.

इकाई-1.

- भाषा :परिभाषा, विशेषताएं, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली
- भाषाविज्ञान : परिभाषा अंग भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबद्ध
- स्वनिमविज्ञान परिभाषा भाषाविज्ञान परिभाषा अंग भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध

इकाई-2.

- स्वनिमविज्ञान: परिभाषा, स्वन,वर्गेंद्रियाँ ,स्वनों का वर्गीकरण- स्थान और प्रयत्न के आधार पर ,स्वन परिवर्तन के कारण
- रूपिम विज्ञान -शब्द और रूप (पद) पद विभाग-नाम आख्यात उपसर्ग और निपात

इकाई-3.

- वाक्य विज्ञान,वाक्य की परिभाषा ,वाक्यके अनिवार्य तत्व,वाक्यके प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण
- अर्थ विज्ञान, शब्द और अर्थ का संबंध ,अर्थ परिवर्तन के कारण ओर दिशाएं

इकाई-4

- अपभ्रंश,राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएं

इकाई-5.

- राष्ट्रभाषा राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी देवनागरी लिपि की विशेषताएं एवं सुधार के प्रयास

संदर्भ ग्रन्थ:-

1. भाषा विज्ञान - डॉ॰ भोला नाथ तिवारी
1. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र - कपिल देव द्विवेदी
2. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त - डॉ॰ राम किशोर शर्मा
3. आधुनिक भाषा विज्ञान - कृपा शंकर सिंह एवं चतुर्भुज सहाय
4. भाषा विज्ञान की भूमिका - डॉ॰ देवेन्द्र नाथ शर्मा

Discipline Specific Elective Course

बी.ए.

BHL E-812 B

कथा साहित्य-प्रेमचन्द

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- प्रेमचंद के साहित्य का अनुशीलन करेंगे.
- संकलित रचनाओं की समीक्षा करेंगे.
- प्रेमचंद के साहित्य मर्म का अनुशीलन करेंगे.
- प्रेमचंद की कहानियां की विषय वस्तु का मूल्यांकन कर सकेंगे।
- प्रेमचंद के गद्यगत विशेषता जान सकेंगे।

इकाई- 1

- प्रेमचंद-सेवासदन (व्याख्या)

इकाई- 2

- कर्बला
- साहित्य का उद्देश्य (निबंध)
- पूस की रात
- शतरंज के खिलाडी
- पंचपरमेश्वर
- ईदगाह
- दो बैलो की कथा

इकाई- 3

- सेवासदन का शिल्पविधान
- सेवासदन की समस्याएं
- सेवासदन के पत्रों का परिचय और चरित्र-चित्रण

इकाई- 4

- समस्त कहानियों का उद्देश्य एवं समीक्षा

इकाई- 5

- साहित्य का उद्देश्य (निबंध) का वैशिष्ट्य एवं कथ्य

संदर्भ ग्रन्थ -

1.प्रेमचंद और उनका युग -रामविलास शर्मा
2.प्रेमचन्द घर में -शिवरानी देवी
3. प्रेमचंद-राजेश्वर गुरु
4. प्रेमचंद एक विवेचन -इन्द्रनाथ मदान
5. प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान -कमल किशोर गोयनका
6. प्रेमचंद-गंगा प्रसाद विमल
7. प्रेमचंद कलम का सिपाही -अमृतराय

Discipline Specific Course

बी.ए.

BHL C-813 (A)

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विवेचन-अनुशीलन करने में सक्षम होंगे.
- पाश्चात्य चिंतको के आलोचकीय दृष्टिकोण की समीक्षा कर पाएंगे.
- आलोचकीय दृष्टि के साथ साथ लेखन कौशल में दक्ष होंगे.
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन कर पाएंगे.
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के औचित्य को समझ पाएंगे.

इकाई- 1

- प्लेटो के काव्य सिद्धान्त, अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त, त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धान्त, लौंजाइनस की उदात्त विषयक अवधारणा।

इकाई-2

- ड्राइडन के काव्य-सिद्धान्त, काव्य-भाषा और शैली के सम्बन्ध में विलियम वर्ड्सवर्थ के विचार
- कॉलरिज की कल्पना विषयक अवधारणा, कल्पना तथा ललित कल्पना।

इकाई-3

- मैथ्यू आर्नल्ड के अनुसार आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
- क्रोचे का अभिव्यंजनावाद
- टी॰एस॰ इलियट - परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।

इकाई-4

- आई॰ए॰ रिचर्ड्स - भाषा के रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।
- सिद्धान्त और वाद - आभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद।

इकाई-5

- आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ - आधुनिकतावाद, उत्तर आधुनिकतावाद.संरचनावाद, विखण्डनवाद, शैली विज्ञान,

संदर्भ ग्रन्थ-

1. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन - निर्मला जैन, कुसुम बाँठिया
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - अधुनातन संदर्भ - डॉ॰ सत्यदेव मिश्र
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ॰ देवेन्द्र नाथ शर्मा
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त - डॉ॰ शांति स्वरूप गुप्त
5. पाश्चात्य समीक्षा - सिद्धान्त और वाद - डॉ॰ सत्यदेव मिश्र
6. पाश्चात्य काव्यानुशीलन - डॉ॰ मृदुल जोशी

Discipline Specific Course

बी.ए.

BHL E-813 (B)

अप्रवासी साहित्य

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- अप्रवासी साहित्य का अनुशीलन करेंगे..
- भारतीय और आप्रावासी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे.
- अप्रवासी साहित्य के औचित्य को समझ सकेंगे.
- संकलित रचनाओं की समीक्षा करेंगे.
- प्रवासी साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन की समझ विकसित हो सकेगी.

इकाई- 1 (व्याख्या)

उपन्यास

- अभिमन्यु अनत -लाल पसीना ,राजकमल प्रकाशन ,दिल्ली
- सुषम बेदी -लौटना ,पराग प्रकाशन,नयी दिल्ली
- नीना पाल -कुछ गाँव गाँव कुछ शहर शहर ,यश पब्लिकेशन,नयी दिल्ली
- दिव्य माथुर -शाम भर बातें,वाणी प्रकाशन,दिल्ली

इकाई- 2 (व्याख्या)

कहानियां

- तेजेंद्र शर्मा - कोख का किराया
- जकिया जुबेरी - सांकल
- जय वर्मा- गुलमोहर
- सुधा ओम धीगरा- कौन सी जमीन अपनी
- उषा राजे सक्सेना - अन्टोप्रेन्योर
- पूर्णिमा बर्मन- यो ही चलते हुए
- अनिल प्रभा कुमार- बेमौसम

इकाई- 3

- उपन्यासकारों का परिचय, उपन्यास की समीक्षा

इकाई- 4

- कहानीकारों का परिचय, कहानियों की समीक्षा

इकाई- 5

- हिंदी के विकास में प्रवासी साहित्य की भूमिका, अद्यतन प्रवासी लेखन, संवेदना, अन्य विधाएँ

सन्दर्भ ग्रन्थ:-

1. हिंदी प्रवासी साहित्य, सम्पादक कमल किशोर गोयनका, यश पब्लिकेशन, दिल्ली
2. प्रवासी लेखन: नयी जमीन, नया आसमान; अनिल जोशी, वाणी प्रकाशन
3. हम प्रवासी; अभिमन्यु अनन्त, प्रभात प्रकाशन
4. हिंदी का भारतीय एवं प्रवासी कथा लेखन, डॉ मधु संधु, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

Value Addition Course

BHL-813 R

लघु शोध प्रबन्ध

क्रेडिट-6

पूर्णांक- **100**

अधिगम परिणाम -

- भाषा और साहित्य से जुड़े विषयों पर शोध दृष्टि विकसित हो सकेगी.
- भाषा एवं साहित्य से जुड़े विषयों को नवीन दृष्टिकोण से लघु स्तर पर अनुसन्धान करेंगे.
- नूतन शोध समस्याओं का अनुशीलन कर सकेंगे.
- शोध प्रविधि का औचित्य जान सकेंगे.

नोट- लघु शोध प्रबन्ध प्रश्न पत्र में छात्र-छात्राएं विभागीय शिक्षक के निर्देशन में स्वीकृत विषय पर लघु शोध प्रबन्ध लेखन का कार्य करेंगे.

लघु शोध प्रबन्ध के मूल्यांकन (मौखिकी परीक्षा सहित) हेतु विश्वविद्यालय में सामूहिक रूप से लागू नियमों का पालन किया जाएगा.